



Sumeet



Diviya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121688703



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>18.50</b>		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नउममज का वर्ग सर्प है तथा क्पअपलं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार नउममज और क्पअपलं का मिलान औसत है।

### मंगलीक दोष मिलान

नउममज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।**

**वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ॥**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल नउममज कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।**

**न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र नउममज कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

क्पअपलं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।  
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता ।

क्योंकि शनि क्पअपलं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि मंगल क्पअपलं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

नउममज तथा क्पअपलं में मंगलीक मिलान ठीक है ।

**निष्कर्ष**

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है ।